

सार समाचार

सद्ग पर्याप्त काटते हुए एक गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। स्थान पुलिस द्वारा भद्रोग में सद्ग काट रहे एक स्टोरिंग को ढाकोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुख्यालय से सूचना मिली कि ग्राम भद्रोग का ओपरेटरका ग्राम भद्रोग का औरवर ब्रिज के पास ग्राम भद्रोग पर एक व्यक्ति 1 रुपये के बदले 80 रुपये देने का प्रलोग भेदकर सद्ग पर्याप्त काट रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबाश देकर सद्ग की पर्याप्त काटते हुए आरोपी को ढाकोचा। पुलिस ने उक्ते पास से 2 सद्ग पर्याप्त, एक लीटर तथा 230 रुपये नगरी बारामद के भ्रुत कीड़ा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

एटीएम से निकला नकली नोट!

गुना, देशबन्धु। शहर के एक एटीएम से नकली नोट निकलने का मामला सामने आया है। मामला शहर के गोशाला के सम्मान वाले एटीएम का है। यहां महाराष्ट्र पुलिस निवासी जगदीश राठोर पैसे निकलने गए थे। जब राठोर ने एटीएम के माध्यम से 2000 निकले तो 9 नोट दो-दो सौ बे और दो नोट 100-100 रुपए के निकले। जिसमें 100 का नोट नकली था। जब वह नोट राठोर के घाथ आया थाथ में लेने के बाद ही पास लग गया की यह नकली नोट है। एटीएम के आपसापस वालों को नोट दिखाया। उक्त एटीएम बैंक आप इंडिया का है। इस संबंध में फरियादी ने शाया में संपर्क किया तो यहां जिम्मेदार बोले कि हम कुछ नहीं कर सकते। बहसबाजी बड़ी तो बैंक अधिकारियों ने उल्टे ग्राहक पर ही एफआईआर दर्ज कराने की धमकी दे डाली।

पुलिस ने 3 लाख से ज्यादा की सैकड़ के साथ 2 तस्कर ढाकोचा

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान दो नशा तस्कर ढाकोचा है। जिनके पास से पुलिस ने 3.30 लाख की ग्राम सैकड़ के साथ तस्करी में प्रयुक्त बाईक जस की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रातकोतानी से पुलिस की एक टीम द्वारा बुड़े लालों की क्षेत्र में हरिपुर रोड रिस्त पावर हाउस के पास वाहन चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान पुलिस को बायपास तस्कर से एक बाईक पर द्वायक आते दिखे, एक दो ब्रेक के एक ब्रेक लालों को बायपास मोटरके भागों से ब्रेक लालों को बायपास भागों से ब्रेक लालों को बायपास भागों से लेने के बाद ही पास लग गया की यह नकली नोट है। एटीएम बैंक की आपसापस वालों को नोट दिखाया। उक्त एटीएम बैंक आप इंडिया का है। इस संबंध में फरियादी ने शाया में संपर्क किया तो यहां जिम्मेदार बोले कि हम कुछ नहीं कर सकते। बहसबाजी बड़ी तो बैंक अधिकारियों ने उल्टे ग्राहक पर ही एफआईआर दर्ज कराने की धमकी दे डाली।

पुलिस ने ट्रक को किया जस मोटरसाईकिल सवारों को ट्रक ने रौदा, 2 की हालत गंभीर

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत अमरेंद्रा चौराहे पर एक तेज रफतार ट्रक ने मोटरसाईकिल पर जा रहे 2 युवकों को रोद दिया। जिसमें बैठे थे भाई कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी धर्मेन्द्र यात्रव निवासी ग्राम बियानी थाना कचनार जिला अशोकनगर ने बताया कि वह साथी शावू खान, सुनील यात्रव एवं जहांद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एज्युकेशन से अशोकनगर अशोकनगर ने बताया कि वह साथी शावू खान, यात्रव एवं जहांद खान दो-दो अलग प्रायोकिल क्रमांक एमपी 08-8973 से जा रहे थे। तभी धीनाखेड़ी से अग्रे मक्सूदगाड़ तरफ से आ रही एक सफेद रंग की कार के चालक ने तेज गति व लापरवाही से कार को चलाकर टक्कर मार दी। जिसमें शिवराज की ओर खिलाफ पुलिस ने धारा 279,337 बादव के तहत मामला दर्ज किया है। चटना के बाद कार चालक फरार हो थे।

मोटरसाईकिल चालक को कार ने मारी टक्कर : इधर जामने थानांतर धीनाखेड़ी

के निकट एक बाईक सामने को सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी धर्मेन्द्र यात्रव निवासी ग्राम बियानी थाना कचनार जिला अशोकनगर ने बताया कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एज्युकेशन से अशोकनगर अशोकनगर ने बताया कि वह साथी शावू खान, यात्रव एवं जहांद खान दो-दो अलग प्रायोकिल क्रमांक एमपी 08-8973 से जा रहे थे। तभी धीनाखेड़ी से अग्रे मक्सूदगाड़ तरफ से आ रही एक सफेद रंग की कार के चालक ने तेज गति व लापरवाही से कार को चलाकर टक्कर मार दी। जिसमें शिवराज की ओर खिलाफ पुलिस ने धारा 279,337 बादव के तहत मामला दर्ज किया है। चटना के बाद कार चालक फरार हो गया। जिसके चलते हम पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। फिर भी पुलिस जो कारवाई करती है उसमें एक पक्ष समर्थन तो दूसरा पक्ष विशेष विवरण तो हम कितनी भी धारणा करते हैं। लेकिन पुलिस के ऊपर कारवाई से कारवाई करें, लेकिन जिला की दौदराज से आए दिन शिकायत लेकर आने वाले लोगों की थाना स्तर पर सुनवाई नहीं होने के सबाल पर एसपी श्री खन्नी ने कहा कि फरियादी को सबसे पहले थाने पर ही जाना चाहिए। मेरा प्रयास होगा कि फरियादी की थाने पर ही सुनवाई हो जाए।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनोद कमर खन्नी ने शनिवार को प्रकारवार्ता बुलाकर पत्रकारों से रुबरु हुए। यहां उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को शान्तपूर्ण और निष्पक्ष कराने की बात कही। प्रकारवार्ता में एसपी श्री खन्नी ने कहा कि वह आगे भी धारणा करेगी।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवरण की बात कही।

गुना, देशबन्धु। नवाग

साहित्य

गांधीजी की शॉल

■ हरिशंकर परसाई

र दिन हो गए, पर शॉल का पता नहीं लगा। सेवकजी ने रेलवे स्टेशन पर पूछताछ की, डिब्बे में साथ बैठे एक परिचित यात्री से पछा, पर पता नहीं लगा। पुलिस में रिपोर्ट और अखबार में विज्ञप्ति छपाने पर सोचा, पर लगा कि गांधीजी की दी हुई पवित्र शॉल थी, उसे पुलिस और अखबारी मामलों में फँसाने से उसकी पवित्रता नष्ट होगी। कोई चाबियों का गुच्छा या सूटकेस तो था नहीं। पूज्य गांधीजी की शॉल थी।

सेवकजी हर दिन की तरह दरवाजे पर कुर्सी लगाकर बैठे थे। स्वयं में देख रहे थे। सड़क पर किन्तु ही सेवकजी ने किसी को नहीं बुलाया। और दिन होता, तो वे परिचित को देखते ही वहीं से बैठे बैठे जायहिंद उड़ाकल के ऊपर रोकते।



बड़ी चौड़ी मुक्खान से जाते, उसका हाथ पकड़ लेते और घोर आत्मीयता से कहते—ऐसे नहीं हो सकता। आप बिना चाय के नहीं जा सकते।' पकड़कर भीतर ले जाते, चाय बुलाते अलमारी से एक फाइल निकालते, जिसमें वे अखबारी करते लगा थीं। इनमें वह करते ही थीं, जिसमें उनकी खोज में विज्ञप्ति छापी थी। एक-एक कर कर सब करते वे बताते और बीच-बीच में अपनी राष्ट्र, समाज सेवाओं का उल्लेख करते जाते। वे बताते कि किस सन् में सेवक नेता के साथ जेल में थे। परिचित उठने का उपक्रम रहता तो सेवकजी अग्रणी हसे से काश हथ पकड़कर कहते-'बस! एक मिन और। मैं आपको अपने जीवन की सबसे मूल्यवान, सबसे पवित्र वस्तु बताता हूँ।

'अलमारी में से तह की हुई एक हाँने नीले रंग की शॉल निकालते और आत्म के थाल की तरह सामने करके, भाव विभोर हो कहते—'यह शॉल मुझे पूज्य गांधीजी ने दी थी। मेरे विवाह में वे स्वयं आशीर्वाद देने आए थे। हम दोनों के सिरों पर हाथ रखकर हमसे बोले—'तू मेरा बेटा नहीं, यह मेरी बेटी है।'

'खिलखिलाकर हंस पड़े बापू और यह शॉल हम दोनों को ओढ़ा दी। आज वे नहीं हैं...' वे आंख बंद कर लेते और भाव तल्लीन हो जाते। परिचित अगर समझदार होता, तो इस रिति का लाभ उठाकर बिना जयहिंद किए ही झटपट निकल भागता।

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

माइक पर वे बोलते—मैंने जो कुछ सीखा गांधीजी के चरणों में बैठकर।

वे मुझे पुत्रत खेल करते थे। मेरे विवाह में वे स्वयं आशीर्वाद देने आए.....और पूरा किस्सा। मेरे जीवन की सबसे मूल्यवान, सबसे पवित्र निधि है। सभा में लोग जानने के लिए विचार उठाए—'सेवकजी! आप शॉल के बारे में बताना भूल गए।'

पर सेवकजी ने सहज भाव से कहा—जब प्रसंग उठाया ही गया है, तो बताना मेरा धर्म है और फिर पूरा वाक्या...।

सेवकजी उस पीढ़ी के थे, जिसने जीवनी के आंभ में सोच लिया था कि जीवन-भर देश की स्वतंत्रता के लिए संग्राम करेंगे। पर स्वतंत्रता पहले आ गई, जीवन शेष रहा। अब क्या करें? यह तो सोच ही नहीं था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद क्या करेंगे? जिन्होंने सोच लिया था, वे सरकार चलाने लगे। कुछ विरोधी दल में आ गए। जो जीत न सके, सरकार में नहीं जा सके। वे बड़ी उड़ान में आ गए। हारा हुआ राजा रिनावास में जाता है।

सेवकजी अध्यात्म में आ गए। पर वहां मन नहीं लगा। वे लौट आए। पर अब क्या करें? वे पूरे जरूर से सोच रहे थे। शॉल जीवन शक्ति ले गई। किसिलए जिए? जिए, तो करें क्या?

अलमारी में से तह की हुई एक हल्के नीले रंग की शॉल निकालते और आरती के थाल की तरह सामने करके, भाव विभोर हो कहते—'यह शॉल मुझे पूज्य गांधीजी ने दी थी। मेरे विवाह में वे स्वयं आशीर्वाद देने आए थे। हम दोनों के सिरों पर हाथ रखकर हमसे बोले—'तू मेरा बेटा नहीं, यह मेरी बेटी है।'

'खिलखिलाकर हंस पड़े बापू और यह शॉल हम दोनों को ओढ़ा दी। आज वे नहीं हैं...' वे आंख बंद कर लेते और भाव तल्लीन हो जाते। परिचित अगर समझदार होता, तो इस रिति का लाभ उठाकर बिना जयहिंद किए ही झटपट निकल भागता।

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल दी थी। बापू स्वयं...'

लगी—कोई भेद न जान ले। कोई सहज ही देखता तो कांप जाते इन्होंने शॉल का रहस्य भांप लिया। अंतिम वक्ता के बाद खड़े हुए। बोले, 'मुझे इस विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया था। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। दिल धड़क रहा था और हाथ कांप रहे थे। आज वे पैरों को ठिकरने का प्रयत्न किया।

पहली पंक्ति में बैठा एक आदमी उठकर खड़ा हो गया और बोला, 'क्यों छूट बोलते हैं सेवकजी? यह शॉल हाते, आशंका

एसेहोणा करता हुआ लाउड्स्पीकर लगा तांगा निकला। सेवकजी के मन में उम्मंग की लहर उठी। पर लगा कैसे जाऊँ। शॉल जो खो गई।

हर सभा में वे गांधीजी की शॉल ओढ़कर जाते। मंच पर अंतिम बवता के बाद खड़े होकर कहते—'मुझे भी यह विषय पर दो शब्द कहना है।'

उन्होंने माइक पकड़ लिया। द

मतदान कर्मियों को ईवीएम, वीवीपेट का सम्पूर्ण प्रशिक्षण दें

सख्ती के साथ कराएं आदर्श आचार सहिता का पालन

सागर संभाग में 7 हजार से ज्यादा मतदान केंद्रों पर 60 लाख से अधिक मतदान करेंगे मतदान



मतदानकारों को पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाना है।

बैठक में संयुक्त मंच निवाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, संभी रिटर्निंग ऑफिसर अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का भ्रमण कर लेंगे। मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। निर्देशित किया गया कि जिन मतदान केंद्रों में 15 सी से अधिक मतदाता हैं, ऐसे मतदान केंद्रों को मतदाता की सुविधा के लिए दो भागों में बांटा जाए। नया मतदान केंद्र उत्तरी परिसर में या निकटवर्ती भवन में बनाया जाए।

श्री राजन ने निर्देश दिए कि तत्काल अनर्सर्जनीय एवं अंतर जिला नाका स्थापित करें। चुनाव कार्य में लालौ वाले कर्मचारियों, 80 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्ति नारीकों और दिव्यांगजनों एवं कोविड से अवृद्धिकारी पॉइंट रहे व्यक्तियों के लिए बैलेट की तैयारी अच्छी तरह से की जाए। उत्तरीने कहा कि बीएलओ को पता होना चाहिए कि किन

संवेदनशील क्षेत्रों में हो सुरक्षा के इंतजाम

चुनाव संबंधी शिक्षायों के लिए बनाए गये सी-विजिल मोबाइल एप का व्यापक प्रचार किया जाए। संवेदनशील क्षेत्र के मतदान केंद्रों में सुरक्षा के इंतजाम कराने के साथ ही मतदाता जागरूकता अधिकारी चुनाव के लिए दो भागों में बांटा जाए। नया मतदान केंद्र उत्तरी परिसर में या निकटवर्ती भवन में बनाया जाए।

सोशल मीडिया पर रखें पैनी नज़र सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान निर्देश नहीं किया गया। जिसको कई व्यक्ति साम्प्रदायिक पोस्ट कर माहौल विभाग ने काम न कर सके। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपाराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर प्रतिवंधात्मक और जिला बदर की कार्यवाही की जाये। फ्लाइंग स्कॉड और एसएसटी द्वारा मुख्यदै से काम किया जाये।

रोकथम के लिए जिले और राज्य की सीमाओं में नाका स्थापित कर बाहनों की सख्ती से जांच की जाये। मदिरा के अवैध निर्माण और परिवहन पर सख्त कार्यवाही की जाये। फ्लाइंग स्कॉड और एसएसटी द्वारा मुख्यदै से काम किया जाये।

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के अध्यक्ष और संसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस स अगर किसी भी प्रदेश में गलती से भी सत्ता में आ जाती है, तो उस राज्य को अपने आलाकामान के लिए एसीएम बना देती है।

श्री शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस के एक नेता के परिसरों पर आयकर विभाग के छापों के संदर्भ में कही। उत्तरीने आरोप लगाया कि जिसे आलाकामान के लिए प्रदेश 4 प्रदेशों में चुनाव में करने वाली थी। उत्तरीने कहा कि जिस अंविकापति के यहां छापे पड़े हैं, ये वही व्यक्ति है, जिसने कर्नाटक में तत्कालीन भाजपा सरकार पर 40

कर्नाटक में कांग्रेस के नेताओं के द्वारा आयकर के छापे पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा -

सत्ता में आने पर राज्य को आलाकमान के लिए एसीएम बना देती है कांग्रेस



फीसदी कर्मीशन का झूटा आरोप लगाया था। उसी के घर से यह पैसा बरामद हुआ है। इससे पता चल गया है कि कौन कर्मीशन द्वारा में मुख्यमंत्री तक पर श्राव्याचार के आरोप हैं।

उत्तरीने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता में आती है तो एक परिवार के इशारे पर उस राज्य का दोहन करती रहती है। 15 महीने की मध्यावधी में लाल डायरी के नाम से स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत घबरा रहे हैं।

तेलंगाना में छात्रों की आत्महत्या पर बोले राहुल

दे आत्महत्या नहीं, युवाओं के सपनों की हत्या



तेलंगाना में जॉब कैलेंडर जारी करेंगी कांग्रेस

परीक्षा रद्द होने से परेशान थीं छात्र

मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक, तेलंगाना में बार-बार सरकारी परीक्षा के रद्द होने से परेशान 23 की एक बात नहीं है। इसके बाद छात्रों ने नाराजी जाते हुए एप्रेल दर्शन किया। युस्साएं छात्रों ने मूकत प्रवालिका के लिए अस्पताल नहीं ले जाने दिया। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लालीचांद किया और छात्रों के शब्द के अस्पताल भेजा।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी और खेद जाहिर किया। खड्गे ने एक पर योग्य व्यक्ति के लिए तीन साल की 23 साल की छात्रों के आत्महत्या से दुखी और स्तब्ध हूँ। जिसने कथित तौर पर योग्य व्यक्ति के लिए स्पष्टीकरण दिया।

बीआरएस सरकार ने युवा निराश

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे छात्रों की आत्महत्या पर नाराजी